[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 234 **D** **Your Roll No.....**
आपका रोल नंबर .....

Unique Paper Code : 205139

Name of the Course : **B.A. (Programme)**

Name of the Paper : Hindi Language (A)

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. खंड वाले प्रश्नों के उत्तर एक ही स्थान पर लिखिए।

1. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं। किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (9,9)

(क) पचास साल के बाद का भारत कृषि और औद्योगिक क्रांति से उभरा हुआ भारत है, जो अपने औपनिवेशिक चोले को मूल रूप से त्याग चुका है। यह 'साहब', 'बाबू' और 'चपरासी' वाले परजीवी मध्यम वर्ग का भारत नहीं है। यह तो विकासशील कृषि और उद्योगों से जुड़े, विज्ञान और टेक्नोलोजी के ज्ञान और दक्षता के वाहक एक आर्थिक आत्मनिर्भरता, उत्पादकता, उद्यमशीलता, जोखिम उठाने की क्षमता आदि नए मूल्यों और मानकों के प्रतिनिधि नए मध्यम वर्ग का भारत है, जिसने भारत का मस्तक पूरे विश्व में ऊंचा किया है। भारत में नए-नए पेशों, व्यवसाय, दक्षता और प्रवीणता के बहुआयामी प्रसार और विविधता ने इस नव-मध्यम वर्ग को नया चरित्र, नया विस्तार और गहराई प्रदान की है।

(i) प्रस्तुत अनुच्छेद के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ii) पचास साल के बाद का भारत कैसा भारत है ? बताइए।

(iii) नए मध्यम-वर्ग ने पूरे विश्व में भारत का सिर किस प्रकार ऊंचा किया है ?

P.T.O.

(ख) काल्पनिक और वास्तविक की चर्चा के सम्बन्ध में कहूँ तो सजीव, विश्वसनीय लेखन के लिए जरूरी नहीं कि जीवन में से उठाई गई किसी घटना का यथावत चित्रण कर दिया जाए। बल्कि मैं तो कहूँगा कि कभी-कभी वास्तविकता का यथावत चित्रण इतना प्रभावशील नहीं होता जितना कल्पना की मदद से किया गया चित्रण। कल्पना की उड़ान से मतलब मनगढ़ंत चित्रण नहीं है। कथानक के विकास के अनुरूप ही आपके पात्रों का व्यवहार होगा। और आपकी कल्पना द्वारा नई-नई स्थितियों का आविष्कार भी। बेशक, वास्तविकता की जानकारी आधार का काम करेगी, पर उसके अन्दर पाई जाने वाली सच्चाई का उद्‌घाटन कल्पना द्वारा ही होगा। वरना आप पढ़ते रहिये, तथ्य और आंकड़े बटोरते रहिये, जितना अधिक आप किसी रचना को जानकारी के आधार पर, तथ्य-आंकड़ों की मदद से लिखेंगे, उतनी ही रचना कमजोर होती जाएगी।

(i) प्रस्तुत अनुच्छेद के पाठ और लेखक का नाम बताइए।

(ii) लेखन में कल्पना और वास्तविकता का क्या संबंध होता है ? बताइए।

(iii) कल्पना की उड़ान का क्या मतलब है ?

(ग) क्रांति युग की प्रवर्तिका है अवश्य, परन्तु उसका कार्य, प्रवाह को एक दिशा से रोककर दूसरी में ले जाने के समान है, इसी से उसे पहले लिखा हुआ मिटाना पड़ता है, सीखा हुआ भुलाना पड़ता है, और बसाया हुआ उजाड़ना पड़ता है। इसीलिए सुव्यवस्थित समाज विकास-मार्ग में रुक-रुक कर अपने गंतव्य और दिशा की परीक्षा करना आवश्यक समझते हैं। बाढ़ से पहले बाँध की उपयोगिता है। जल के प्रलयंकर प्रवाह में चाहे वह न बन सके, परन्तु उसका पूर्ववर्ती होकर अनेक आघात सहकर भी स्थिर रह सकता है। फिर यह आवश्यक नहीं कि ऐसी संहारक और सर्वग्रासी क्रांति, सुन्दर निर्मायक भी हो।

(i) प्रस्तुत अनुच्छेद का मुख्य विचार क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

(ii) क्रांति का क्या कार्य है ?

(iii) सुव्यवस्थित समाज क्या करता है ?

2. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (12)

(i) 'प्रत्येक देश का साहित्य उस देश के मनुष्यों के हृदय का आदर्श रूप है' - इस कथन से क्या तात्पर्य है ?

('साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है' निबंध के आधार पर)

(ii) भारतीय समाज के सन्दर्भ में लेखक ने किन-किन दृष्टियों का विश्लेषण किया है ?
('बदलता भारतीय समाज' निबंध के आधार पर)

(iii) 'अस्मिताओं का संघर्ष' के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि जातीयता की पृष्ठभूमि में कौन से तथ्य होते हैं ?
('अस्मिताओं का संघर्ष' निबंध के आधार पर)

(iv) 'व्यक्ति समाज से पृथक रह सकता है या नहीं' ? विचार कीजिये।
('समाज और व्यक्ति' के आधार पर)

3. 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' के आधार पर किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (10)

(i) माणिक मुल्ला कहानी किसे मानते थे ?

(ii) महेसर दलाल के व्यक्तित्व का विश्लेषण कीजिए।

(iii) सत्ती की नजर में माणिक मुल्ला कैसे व्यक्ति थे ?

(iv) सत्ती अपने पास काले बेंत का चाकू क्यों रखती थी ?

(v) माणिक मुल्ला किस वर्ग के प्रतिनिधि हैं ?

(vi) सूरज का 'सातवाँ घोड़ा' का प्रतीकार्थ स्पष्ट कीजिए।

(vii) घोड़े की नाल जमुना के लिए किस प्रकार सौभाग्य का लक्षण सिद्ध हुई ?

(viii) तन्ना अस्वस्थ क्यों रहने लगा था ?

अथवा

'यात्राएं' के आधार पर किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (10)

(i) मारीशस की मुख्य भाषा क्या है ? वहां अन्य कौन-सी भाषाएँ बोली जाती हैं ?

(ii) 'केरल प्रदेश' अन्य भारतीय प्रदेशों से किस प्रकार भिन्न है ?

(iii) सीयन में इब्सन का घर किन अर्थों में विशिष्ट है ?

(iv) 'सपनों के शिखर तक' में क्यों कहा गया कि 'कुमाऊं को कुमाऊं ही बना रहने दें' ?

(v) 'सिगरी उनसत' कहाँ के रहने वाले थे ? उनके व्यक्तित्व पर टिप्पणी कीजिए।

(vi) जी. शंकर कुरूप कौन थे ?

(vii) 'सपनों के शिखर तक' में लेखक ने नैनीताल को 'छोटी विलायत' क्यों कहा है ?

(viii) निकोलस रोरिक की तपोभूमि का क्या नाम था ? लेखक ने उस धरती को पवित्र क्यों कहा ?

(ix) लेखक ने नागालैंड के लोगों की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है ?

4. किसी **एक** विषय पर विस्तृत टिप्पणी या परिचर्चा लिखिए : (8)

(i) खाद्य सुरक्षा कानून

(ii) विज्ञापन और मध्यवर्ग

(iii) महँगाई का प्रभाव

5. निम्नलिखित संवाद को कहानी में रूपांतरित कीजिए : (7)

वह अभी वंशी के जुआखाने से निकला था। आज उसकी कौड़ी ने साथ न दिया। सोलह परियों के नृत्य में उसका मन न लगा। मन्नू तमोली की दुकान पर बैठते हुए उसने कहा - "आज सायत अच्छी नहीं रही, मन्नू" !

'क्यों मालिक ! चिंता किस बात की है। हम लोग किस दिन के लिए हैं। सब आप ही का तो है।'

"अरे, बुद्धू ही रहे तुम ! नन्हकू सिंह जिस दिन किसी से लेकर जुआ खेलने लगे उसी दिन समझना मैं मर गया। तुम जानते नहीं कि मैं जुआ खेलने कब जाता हूं। जब मेरे पास एक पैसा नहीं रहता, उसी दिन नाल पर पहुँचते ही जिधर बड़ी ढेरी रहती है, उसी को बदता हूं और वही दांव भी आता है। बाबा कीनाराम का यह बरदान है !

तब आज क्यों मालिक ?"

6. किसी **एक** विषय पर टिप्पणी लिखिए : (8)

(i) जनसंचार माध्यमों का समाज पर प्रभाव

(ii) आगम-निगम शैली

(iii) जीवनी और आत्मकथा

7. महाविद्यालय में आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता पर प्रतिवेदन लिखिए। (6)

8. पाठ-विश्लेषण के मुख्य बिन्दुओं का उल्लेख कीजिए। (6)

(3000)